श्री मनसुख लाल मंडाविया
माननीय राज्यमंत्री
(स्वतंत्र प्रभार)
पोत परिवहन मंत्रालय,

श्री मनसुख मंडाविया, भारत सरकार के पोत परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और रसायन व उर्वरक राज्य मंत्री है । मंडाविया का जन्म गुजरात राज्य के पलिताना जिले के हनोल नामक एक छोटे से गाँव में मध्यम वर्गीय किसान परिवार में हुआ था । उन्होंने भावनगर विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है ।

श्री मनसुख युवावस्था से ही राजनीति में सक्रिय थे और लोगों की सेवा कर रहे थे। वह एबीवीपी के सदस्य बन गए और जल्द ही उनहोंने, गुजरात इकाई के एबीवीपी के राज्य कार्यकारिणी के समिति सदस्य के रूप में स्थान ग्रहण किया । उनकी बुद्धि, कौशल और कड़ी मेहनत को देखते हुए उन्हें युवा मोर्चा के नेता और तदुपरान्त पलिताना क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था । वे गुजरात में सबसे कम उम्र के विधायक के रूप में अपना स्थान रखते हैं ।

लोगों की सेवा करने और उनके उत्थान के लिए कड़ी मेहनत ही उनका एकमात्र लक्ष्य था और इस प्रकार उनहोंने स्त्री शिक्षा, बेटी बचाओ, बेटी पढाओ और व्यसन हटाओ के लिए 123 किलोमीटर और 127 किलोमीटर की दो पदयात्रा आयोजित की। 38 साल की युवावस्था में, वे विविध क्षेत्रों के विविध स्थायी समितियों के साथ भी जुड़े रहें ।

अपनी कड़ी मेहनत और बुद्धिमत्ता के बदौलत, उन्हें 2013 में भाजपा राज्य के सचिव और 2014 में महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया था।बाद में 2014 में उन्हें भाजपा के उच्च तकनीक और व्यापक सदस्यता अभियान के गुजरात राज्य प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसके कारण गुजरात में 1 करोड़ लोग भाजपा में शामिल हुए।

मंडाविया अपने बौद्धिक विश्लेषण और नेतृत्व क्षमता के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में "2030 एजेंडा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट " पर अपना भाषण प्रस्तुत किए ।विदेशी राष्ट्रों के तमाम नीतियों और प्रबंधन का पता लगाने के लिए व्यापक विदेश दौरे किए ,ताकि भारत को तीव्र गति से आगे बढ़ने में मदद मिले ।

5 जुलाई 2016 को उन्होंने भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग ,पोत परिवहन और रसायन व उर्वरक राज्य मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की । एक मंत्री के रूप में, कार्य को शीघ्रता और दक्षता से पूर्ण करने के लिए,वे कई योजनाओं और विचारों को कार्यान्वित किए ,

मार्च, 2018 के दौरान उन्हें राज्यसभा के संसद सदस्य के रूप में पुनः निर्वाचित किया गया ।

अपने निर्णायक और साहसी नेतृत्व के साथ, उन्होंने सड़क निर्माण की गति में प्रति-दिन वृद्धि, 'यूरिया और अन्य उर्वरकों की लागत में कमी, 800 से अधिक औषधि सस्ती दरों पर प्रदान करने के लिए 4000 से अधिक जन औषधि भंडार स्थापित करना और हार्ट स्टेंट और नी इंप्लांट की लागत को कम करने में सहायता प्रदान की है । इसके अतिरिक्त, उन्होंने आम आदमी, किसानों और व्यवसायों की मदद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है ।

श्री मंडाविया अन्य राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों को विकसित करने तथा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करने के लिए राष्ट्रपति के साथ दो बार और उपराष्ट्रपति के साथ एक बार विभिन्न प्रतिनिधिमंडल के हिस्सा रहे हैं । एशियाई महाद्वीप में उन्होंने चीन, इज़राइल, ओमान, नेपाल, दुबई और उज्बेकिस्तान का दौरा किया है। । उन्होंने इंग्लैंड और जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों, हंगरी और दक्षिण अमेरिकी देश जैसे ब्राजील और अर्जेंटीना का भी दौरा किया । वे अफ्रीका के कई देशों में भी गए जैसे - केन्या, युगांडा, तंजानिया, रवांडा, अल्जीरिया, इक्वेटोरियल गिनी, स्वाज़ीलैंड और ज़ाम्बिया। समुद्री क्षेत्र के देश में श्री मंडाविया ने न्यूजीलैंड, टोंगा, फिजी और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों का दौरा किया ।

2019 में एक बार फिर, उन्होंने भारत सरकार के रसायन व उर्वरक राज्य मंत्रि और पोत परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली ।